

SHRI YOGENDRA

Shri Yogendra, popularly known as Babaji, is all India Patron of SANSKAR BHARATI.

2. Born on January 7, 1924, at Gandhi Nagar, Basti, Uttar Pradesh, Shri Yogendra father Shri Vijay Bahadur, Advocate, was a congress worker. His interest was basically in art and drawing. In 1941-42, he came in contact of RSS and became full time Pracharak of Rashtriya Swayam Sewak Sangh, under motivation from Shri Nanaji Deshmukh. With one Angocha and some basic required personal belongings in one small bag, which also has diaries with names, addresses and birth dates of each and every worker, he smoothly travels whole of country every movement. Gifts received are emotionally accepted but physically distributed then and there, shows his emotional behavior.

3. Shri Yogendra always remains in touch with all workers, particularly in sad or adverse moments. He knows people personally, remembers names and conveys wishes to every worker on his birthday or other occasion. Though interest in art was seen in earlier age, but in younger span of life, it came in light through many exhibitions such as Maa ka Vibhajan, Shivaji, Dharamganga, Janta ki Pukar, Sankat Main Gaumata, Amargatha of 1857, Videshi Shadyantra, Maa ki Pukar etc.

4. Sinch then Shri Yogendra started to think about cultural progress of country and artists and it gave birth to SANSKAR BHARATI in 1981. It is an organization working in cultural field, at present with 8 vidhas. So many renowned and established names and artists are its associates and it gives inspiration, platform and guidance to artists at all level from remote villages to big cities, and it is the result of restless journey of Shri Yogendra.

5. Shri Yogendra facilitated about 2500 senior Kala Sadhak in Amrit Mahotsav, which was celebrated at 78 places through out the country. During last celebration at Delhi, Honorable Former Prime Minister Shri Atal Bihari Bajpayee said "Rashtra karya ke liye hum dono sath chale. Hame rajnitik aur Yogendra ko sanskritik karya ke liye bheja gaya". Shri Yogendra knows millions of people and millions of people know him. He is swaroop of Brahma. His dedication, simple but impressive personality, his aura and sensitive heart, inspires every person who comes in his contact and numerous artists in various fields have been motivated by him, resulting in Cultural Revolution, names SANSKAR BHARATI. He is working for SANSKAR BHARATI day and night. Due to his dedication — Sadhna, so many artists — Kala Sadhak are active in society to give cultural oxygen and to nourish our heritage, especially under the name SANSKAR BHARATI and definitely, all these efforts and events have resulted in cultural awareness and creativity in the society at large.

6. Shri Yogendra has received the following awards: Kala Sadhak Award at Amrit Mahotsav, during platinum Jubilee celebration at 78 places through out the country in 1997-99, Bhaurao Devras Sewa Samman, Lucknow in 2005-06, Devi Ahilya Bai Rashtriya Purushkar in 2008 in Indore by Smt. Sumitra Mahajan, currently Lokh Sabha President, Chandra Shekhar Azad Samman by M.P. Government in 2010, Dr. Hedgewar Pragya Purushkar by Bara Bazar Library, Kolkata in 2012 and various other honors.



श्री योगेन्द्र

श्री योगन्द्र संस्कार भारती के अखिल भारतीय संरक्षक हैं, जिन्हें सार्वजनिक रूप से बाबाजी के नाम से जाना जाता है।

2. आपका जन्म 07 जनवरी, 1924 को गांधीनगर, बस्ती, उत्तरप्रदेश में हुआ था। आपके पिता श्री विजय बहादुर, एडवोकेट एक कांग्रेस कार्यकर्ता थे। आपकी मुख्य रूप से कला और ड्राइंग में रूचि थी। वर्ष 1941-42 में आप आर एस एस के संपर्क में आए और श्री नानाजी देशमुख के अभिप्रेरण में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्ण कालिक प्रचारक बन गए। एक अंगौछा तथा एक छोटे थैले में कुछ मूलभूत जरूरी निजी सामान, जिसमें हर एक कार्यकर्ता के नाम, पते और जन्म की तारीख वाली डायरिंया भी होती हैं, के साथ आप सुचारू रूप से पूरे देश का हर क्षण भ्रमणकरते हैं।आपको सदभावना से जो उपहार मिलते हैं लेकिन उन्हें तत्काल ही वास्तविक रूप से वितरित कर दिया जाता है, जो उनके भावनात्मक व्यवहार को दर्शाता है।

3. आप समस्त कार्यकताओं के साथ विशेषकर दु:ख और कष्ट की घड़ी में हमेशा संपर्क में रहते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से लोगों को जानते हैं, उनका नाम याद रखते हैं और प्रत्येक कार्यकर्ता के जन्मदिन अथवा अन्य अवसरों पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। यद्यपि शुरूआती दिनों में कला में रूचि दिखाई दी थी, लेकिन युवावस्था में, यह कई प्रदर्शनियों जैसे मां का विभाजन, शिवाजी, धर्मगंगा, जनता की पुकार, संकट में गौमाता, 1857 की अमर गाथा, विदेशी षडयंत्र, मां की पुकार आदि के माध्यम से प्रकाश में आई।

4. उसके बाद से आपने देश एवं कलाकारों की सांस्कृतिक प्रगति के बारे में सोंचना आरंभ कर दिया तथा इस सोंच ने वर्ष 1981 में संस्कार भारती को जन्म दिया। यह एक ऐसा संगठन है जो, वर्तमान में, 8 विधाओं के साथ सांस्कृतिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है। कई एक सुप्रसिद्ध और स्थापित नाम और कलाकार इसके एसोसिएट हैं और यह सुदूर गांवों से लेकर बड़े शहरों के सभी स्तर के कलाकारों को प्रेरणा, प्लेटफार्म और मार्गदर्शन प्रदान करता है और यह सब आपकी अथक यात्रा का परिणाम है।

5. आपने अमृत महोत्सव, जो पूरे देश के 78 स्थानों पर मनाया गया था, में लगभग 2500 वरिष्ठ कला साधकों को सुविधाएं प्रदान की। दिल्ली में पिछले समारोह के दौरान माननीय पूर्व प्रधानमंत्री श्री अलट बिहारी बाजपेई ने कहा था "राष्ट्र कार्य के लिए हम दोनों साथ चले। हमें राजनीतिक और योगेन्द्र को सांस्कृतिक कार्य के लिए भेजा गया"।आप लाखों लोगों को जानते हैं और लाखों लोग आपको जानते हैं। आप ब्रह्म स्वरूप हैं। आपका समर्पण, साधारण लेकिन प्रभावशाली व्यक्तित्व, आपकी आभा और संवेदनशील हृदय हर उस व्यक्ति को प्रेरित करता है, जो आपके संपर्क में आता है तथा बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों ने आपसे प्रेरणा प्राप्त की है, जिसके परिणामस्वरूप सांस्कृतिक क्रांति हुई, जिसका नाम 'संस्कार भारती' है। संस्कार भारती के लिए आप दिन-रात कार्य कर रहे हैं। आपके समर्पण-साधना के कारण कई कलाकार-कला साधक समाज में, सांस्कृतिक आक्सीजन देने तथा हमारी विरासत, विशेषकर, संस्कार भारती को पोषित करने हेतु क्रियाशील हैं और निश्चित तौर पर, इन प्रयासों और घटनाओं की, समाज में बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक जागरूकता तथा सृजनात्मकता के रूप में परिणिति हुई है।

6. आपको निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं:- वर्ष 1997 से 99 में पूरे देश में 78 स्थानों पर प्लेटिनम जुबिली समारोह के दौरान अमृत महोत्सव में कला साधक अवार्ड, वर्ष 2005-2006 में लखनऊ में भाऊराव देवरस सेवा सम्मान, वर्ष 2008 में, इंदौर में श्रीमती सुमित्रा महाजन, वर्तमान में लोकसभा अध्यक्ष द्वारा देवी अहिल्या बाई राष्ट्रीय पुरस्कार,वर्ष 2010 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चन्द्रशेखर आजाद सम्मान, वर्ष 2012 में कोलकाता में बड़ा बाजार पुस्तकालय द्वारा डॉ. हेगड़ेवार प्राज्ञ पुरस्कार तथा कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए।